अमर उजाला

बरेली
बृहस्पतिवार, 3 नवंबर 2022
कार्तिक शुक्ल-दशमी
विक्रम संवत-2079

Page No : 02 BOTTOM

अब सीटी स्कैन से कराएं एंजियोग्राफी

- **एसआरएमएस में बिना तकलीफ और आसानी से मरीजों के दिल की जांच संभव**
- **सीटी एंजियोग्राफी है हृदय की धमनियों की रुकावट जानने का एडवांस विकल्प**
- **सीटी स्कैन से पूरे शरीर की एंजियोग्राफी, वर्चुअल ब्रोन्कोस्कोपी व कोलोनोस्कोपी भी संभव**
- **सीटी स्कैन एंजियोग्राफी के लिए रोगी को अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं**

प्रोफेसर (डॉ.) नीरज प्रजापति

बरेली: यह खबर हृदय व धमनी रोगियों के लिए खुशखबरी से कम नहीं कि अब उन्हें कोरोनरी व अन्य एंजियोग्राफी (धमनियों में ब्लाकेज की जांच) के लिए अस्पताल में एक दिन भर्ती होने की जरूरत नहीं है। अस्पताल पहुंचने के कुछ ही मिनट में उनकी जांच आसानी से हो सकती है। यह संभव हुआ है एसआरएमएस मेडिकल कालेज में लगी अत्याधुनिक 256 स्लाइस (डुअल सोर्स) की सीटी स्कैन मशीन से। यह जानकारी एसआरएमएस मेडिकल कॉलेज में रेडियोलाजी विभाग के प्रोफेसर डा. नीरज प्रजापति ने दी।

उन्होंने कहा कि हृदय रोगियों की धमनियों में आई रुकावट जानने के लिए एंजियोग्राफी का सहारा लिया जाता है। अब इसका विकल्प सीटी एंजियोग्राफी बन रही है। इससे होने वाली जांच के लिए मरीज को अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं होती है और न ही दूसरी किसी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस अत्याधुनिक तकनीक से धमनियों में रुकावट की सटीक जानकारी मिलती है। साथ ही दूसरे साइड इफेक्ट भी नहीं होते और जांच में ज्यादा समय भी नहीं लगता। अपनी खूबियों और कम खर्च की वजह से सीटी स्कैन कार्डिक एंजियोग्राफी मरीजों के लिए फायदेमंद और डाक्टरों के लिए सुविधाजनक है। यह जांच हृदय की नॉन इन्वेसिव जांचों की तरह एक विकल्प के रूप में लोगों की पंसद बन रहा है क्योंकि इसमें कोई इन्वेसिव प्रक्रिया नहीं की जाती है और न ही मरीज को भर्ती करना पड़ता है। यह जांच लगभग सभी वह सूचनायें प्रदान करती है जो कैथ एंजियोग्राफी में प्राप्त हो सकती है।

256 स्लाइस (डुअल सोर्स) सीटी स्कैन से ब्रेन की एंजियोग्राफी, पूरे शरीर की एंजियोग्राफी, वर्चुअल ब्रोन्कोस्कोपी, वर्चुअल कोलोनोस्कोपी, अस्थि का बारीक से बारीक फ्रैक्चर व कैंसर की सूक्ष्म गांठ को आसानी से डायग्नोस किया जा सकता है। प्रदेश में ऐसी गिनती की ही मशीनें हैं। बरेली के लोगों के लिए गर्व की बात है कि यह मशीन एसआरएमएस में उपलब्ध है।

SRMS

ये है डॉक्टर्स का पैनल

प्रोफेसर (डॉ.) समीर वर्मा
प्रोफेसर (डॉ.) नीरज प्रजापति
डॉ. रश्मि रेखा, डॉ. पंकज कैरा
डॉ. संगीता कुमारी, डॉ. नम्रता सिंह
डॉ. विनोद मोगा

क्या कहते है प्रो. (डॉ.) नीरज प्रजापति

डा.नीरज प्रजापति के अनुसार कैथलैब एंजियोग्राफी व सीटी स्केन एंजियोग्राफी में सबसे बड़ा फर्क है कि कैथलैब में एंजियोग्राफी के साथ ही यदि ब्लॉकेज होता है तो एंजियोप्लास्टी भी की जा सकती है, जिसका चलन इन दिनों बढ़ गया है जबकि सीटी एंजियोग्राफी एक प्रीवेंटिव जांच है जिससे हृदय की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त की जाती है। धमनियों में ब्लॉकेज का पता भी शुरुआती अवस्था में पता चल जाता है। जिससे समय पर इलाज हो जाता है। इससे मरीजों के उपचार का बोझ भी कम पड़ता है। इसके जरिये दिमाग, फेफड़ों और अन्य बीमारियों के मरीजों की भी जांच आसानी से की जा सकती है। अस्थियों का बारीक फ्रैक्चर, कैंसर की छोटी से छोटी गांठ, आर्टरीज में कैल्शियम के जमा होने की जानकारी भी सिटी स्कैन से आरंभिक अवस्था में ही मिल जाती है। गठिया, गुर्दे की पथरी का पता भी पहले चरण में ही मिल जाता है।

श्री राम मूर्ति स्मारक अस्पताल, बरेली 9458704444, 9458702115

Advt.